कुमारस्वामी ने खोला मुख्यमंत्री बनने का राज

बेंगलुरू, 12 जून (ए)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने आज कहा कि कांग्रेस ने उनके मुख्यमंत्री बनने पर जोर दिया जबकि उनके पिता और जेडी (एस) प्रमुख एच. डी. देवगौड़ा ने कहा था कि उनकी पार्टी के किसी नेता को यह पद मिलना चाहिए। कुमारस्वामी ने कहा, 'जब कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वे मुझे मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, उन्होंने (देवगौड़ा) ने कहा कि उसका (कुमारस्वामी) स्वास्थ्य ठीक नहीं है... उसका दो बार इलाज हो चुका है... आप अपने में से किसी को मुख्यमंत्री बनने दें। कांग्रेस नेता इस पर तैयार नहीं हुए और उन पर मुख्यमंत्री बनने का दबाव बनाने लगे या फिर मुझे पद देने को कहने लगे। इससे पहले देवगौड़ा भी कह चुके हैं कि विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद उन्होंने कांग्रेस को समर्थन देने की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाने पर जोर दिया। यह रेखांकित करते हुए कि श्रृंगेरी मठ के जगदगुरू शंकराचार्य ने हालिया यात्रा के दौरान उनसे भ्रष्टाचार मिटाने को कहा है, कुमारस्वामी ने कहा कि वह फिलहाल इसके तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

राहुल गांधी का ओबीसी सम्मेलन वोट बैंक की राजनीति : भाजपा

नयी दिल्ली, 12 जून (ए)। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सम्मेलन में राहुल गांधी के संबोधन को 'वोट बैंक की राजनीति' करार देते हुए भाजपा ने आज कांग्रेस अध्यक्ष से पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिये जाने की नरेन्द्र मोदी सरकार की योजना पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा। केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि कांग्रेस का ओबीसी सम्मेलन केवल इस समुदाय के वोट पाने की कवायद है। ओबीसी समुदाय से आने वाले रामकृपाल यादव ने कहा कि दशकों तक देश में राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने कभी ओबीसी वर्ग की चिंता नहीं की और आज अचानक राहुल गांधी का ओबीसी समाज के प्रति प्रेम जागृत हो रहा है उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा ओबीसी वर्ग को गुमराह कर वोट प्राप्त करने की राजनीति की परन्तु उनके उत्थान के लिए कभी कुछ नहीं किया। यादव ने कहा कि अगर राहुल गांधी जी सच में ओबीसी वर्ग के हितैषी हैं तो वह जवाब दें की वो ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के पक्ष में हैं या नहीं ।

राहुल गांधी की इफ्तार पार्टी में शामिल होंगे प्रणब मुखर्जी

नई दिल्ली, 12 जून (ए)। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने 13 जून को होने वाली अपनी इफ्तार पार्टी में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को भी आमंत्रित किया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मुखर्जी ने गांधी का न्यौता स्वीकार कर लिया है जिसके साथ ही बेवजह की अटकलों पर विराम लग गया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, कई मीडिया समूहों ने कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से प्रणब मुखर्जी को दी गई इफ्तार की दावत पर सवाल खड़े किए। आशा करता हूँ कि अब इन बेवजह की अटकलों पर विराम लग जाएगा। सुरजेवाला ने कहा कि 2015 में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से आयोजित इफ्तार में मुखर्जी शामिल हुए थे। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष की इफ्तार में मुखर्जी को निमंत्रित किये जाने का इस मायने में खासा महत्व है कि कुछ दिन पहले ही पूर्व राष्ट्रपति आरएसएस के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे जिसको लेकर कांग्रेस के कई नेताओं और उनकी बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने सवाल खड़े किए थे। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि इस इफ्तार में विपक्ष के सभी प्रमुख नेताओं को आमंत्रित किया जा रहा है, हालांकि मेहमानों की सूची के संदर्भ में अभी आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। कांग्रेस दो साल के अंतराल के बाद इफ्तार का आयोजन कर रही है। इफ्तार ताज पैलेस होटल में होगा।

रिम्स में तीन माह में 303 बच्चों की मौत

रांची, 12 जून (ए)। राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइस (रिम्स) में बच्चों के इलाज एवं इस क्रम में मौत का आंकड़ा बहुत ही भयभीत करने वाला है। यहां तीन माह में 303 बच्चों की मौत हो गई। जनवरी, 2018 में रिम्स में कुल 3167 बच्चे आउटडोर में इलाज के लिए पहुंचे। 606 बच्चों को भर्ती किया गया। इनमें 93 बच्चों की मौत हो गई। इसी प्रकार फरवरी, 2018 में कुल 3261 बच्चे इलाज के लिए आए। 604 बच्चों को भर्ती किया गया, जिनमें 96 की मौत हो गई। इसी प्रकार मार्च, 2018 में कुल 3376 बच्चे इलाज के लिए आए। इनमें 761 बच्चों को भर्ती किया गया, जिनमें 114 की मौत हो गई। जनवरी, फरवरी एवं मार्च में कुल 6637 बच्चे इलाज के लिए आए थे। 1971 बच्चों को भर्ती किया गया। इनमें से कुल 303 बच्चों की मौत हो गई। यह आंकड़ा चौंकाने वाला है, लेकिन मेडिसिन विभाग के आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाए तो यह और चिंताजनक है। मेडिसिन में इलाज के लिए भर्ती होने वाले मरीजों में 20.63 फीसद की मौत हो गई।

पूरी तरह पिघल चुकी है 18 साल पुरानी सबसे बड़ी हिमशिला

वाशिंगटन, 12 जून (ए)। आज से लगभग 18 साल पहले अंटार्कटिका के रोस आइस शेल्फ से टूट कर अलग हुआ विशाल हिमखंड पूरी तरह से पिघल कर लगभग समाप्त होने की कगार पर है। नासा ने यह जानकारी दी है। बी-15 नाम की यह हिमशिला मार्च 2000 में टूट कर जब अलग हुई थी तब इसकी लंबाई 296 किलोमीटर और चौड़ाई 37 किलोमीटर थी। इसके बाद से यह हिमशिला अनेक छोटे छोटे टुकड़े में टूट गई जिसमें से अधिकतर पिघल चुके हैं। इनमें से केवल चार टुकड़े बचे जिसका आकार 37 किलोमीटर था। जब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों ने इस साल 22 मई को इसका फोटो लिया तो बी-15 जेड़ 18 किलोमीटर लंबा और नौ किलोमीटर चौड़ा पाया गया। नासा ने एक बयान में कहा कि इसका आकार अभी भी इतना है कि इस पर नजर रखी जा सकती है। लेकिन अगर यह आगे और टुकड़ों में टूटा तो इस पर जानकारी रखना मुश्किल हो जाएगा।

कैबिनेट फेरबदल की चर्चा, पीएम मोदी ने बुलाई सभी मंत्रियों की बैठक

नई दिल्ली ,12 जून (ए)। कैबिनेट फेरदबल की चर्चा और विपक्षी एकता की कोशिशों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाई है। सूत्रों के अनुसार पीएम आवास पर होने वाली इस मीटिंग में सभी मंत्री शामिल होंगे। मीटिंग में सभी लंबित कामों की समीक्षा के अलावा अगले सौ दिनों के लिए रोडमैप तय किया जाएगा। मीटिंग में खासकर किसानों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करने का अजेंडा है। सभी मंत्रियों के साथ पिछले चार महीने में यह पहली मीटिंग है। मीटिंग में पीएम अपने मंत्रियों को बताएंगे कि 2019 में सरकार किन योजनाओं के दम पर जनता के बीच जाएगी और अगले कुछ महीनों में उन पर किस तरह काम करना है। सूत्रों के अनुसार मोदी सरकार किसानों के लिए बड़ी राहत स्कीम का ऐलान कर सकती है। इसके तहत फसल के लिए मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) की नई नीति को कैबिनेट मंजूरी दे सकती है। सरकार का दावा है कि इस नीति को मंजूरी मिलने के बाद किसानों के लिए यह बहुत बड़ा राहत पैकेज होगा। मालूम हो कि पिछले कुछ दिनों से देश के अलग-अलग हिस्सों में किसान आंदोलन मोदी सरकार के लिए चुनावी साल में चिंता का कारण बनते जा रहे हैं। साल के अंत में मध्य प्रदेश, राजस्थान में भी विपक्ष ने किसानों के मुद्दे पर ही चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

दिल्ली के उपराज्यपाल बैजल ने कहा- केजरीवाल ने मुझे धमकी दी

नई दिल्ली, 12 जून (ए)। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनके तीन मंत्री यहां राजनिवास में एक और बेवजह धरना दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें अधिकारियों को वहां बुलाने और उनकी हड़ताल खत्म कराने की धमकी दी है। उपराज्यपाल (एलजी) कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बैजल ने केजरीवाल से मुलाकात के दौरान कहा कि अधिकारी किसी हड़ताल पर नहीं हैं और मुख्यमंत्री को विश्वास का माहौल बनाने तथा नौकरशाही की वास्तविक समस्याओं का हल करने की सलाह दी। फरवरी में मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर आप विधायकों के कथित हमले की घटना के बाद से नौकरशाही और केजरीवाल सरकार के बीच तकरार चल रही है। केजरीवाल ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कैबिनेट सहकर्मी सत्येंद्र जैन तथा गोपाल राय के साथ बैजल से मुलाकात की। उन्होंने अपनी तीन मांगों के स्वीकार होने तक उनके कार्यालय में बैठे रहने का फैसला किया। केजरीवाल और उनके मंत्रियों ने आईएएस अधिकारियों को हड़ताल खत्म करने का निर्देश देने और चार महीनों से कामकाज रोककर रखने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने सहित तीन मांगें की हैं। केजरीवाल ने उप राज्यपाल (एलजी) कार्यालय के प्रतीक्षा कक्ष से शाम छह बजे ट्वीट किया कि बैजल को एक पत्र सौंपा गया लेकिन उन्होंने कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। एलजी कार्यालय ने ट्वीट किया कि बेवजह धरना के क्रम में यह आप का एक और प्रदर्शन है। एलजी कार्यालय के बयान में कहा गया है कि मुलाकात में एलजी को मुख्यमंत्री ने धमकी दी। केजरीवाल ने मांग की कि अधिकारियों को फौरन ही राजनिवास में बुलाया जाए और तथाकथित हड़ताल खत्म करने का निर्देश दिया जाए। केजरीवाल ने यह मांग की कि आईएएस अधिकारियों को उनकी हड़ताल खत्म करने का निर्देश दिया जाए और चार महीनों से जो अधिकारी काम अटकाकर रखे हुए हैं, उन्हें सजा दी जाए। उन्होंने एलजी से यह भी कहा है कि उनकी सरकार की 'डोर स्टेप डिलीवरी ऑफ राशन' योजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी जाए। इस पर एलजी कार्यालय के बयान में कहा गया कि डोर स्टेप डिलीवरी आफ राशन का प्रस्ताव से जुड़ी फाइल नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन के पास करीब तीन महीने से पड़ी हुई है। इससे पहले दिन में केजरीवाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और केंद्र ने आप सरकार के कामकाज को रोकने के लिए एलजी, आईएएस अधिकारियों और सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग तथा दिल्ली पुलिस को पूरी छूट दे रखी है।

आधी रात तक केजरीवाल समेत आप नेता एलजी कार्यालय में बैठे रहे

नयी दिल्ली, 12 जून (ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्रिमंडल सहयोगी तीन मांगों को लेकर आधी रात तक उप राज्यपाल अनिल बैजल के कार्यालय में बैठे रहे। केजरीवाल और उनके मंत्रियों ने आईएएस अधिकारियों को हड़ताल खत्म करने का निर्देश देने और चार महीनों से कामकाज रोक कर रखे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने सहित तीन मांगें की है। इस बीच, अधिकारियों के एक संगठन ने कहा कि कोई भी अधिकारी हड़ताल पर नहीं है और काम पूरे उत्साह से चल रहा है। केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और दो अन्य मंत्री बीती शाम उपराज्यपाल अनिल बैजल से मिले। उनके सुबह तक उपराज्यपाल कार्यालय में बने रहने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि मधुमेह के शिकार मुख्यमंत्री को इस दौरान इंसुलिन लेना पड़ा है और उन्होंने घर का बना खाना खाया। कई आप विधायकों ने भी राज्यपाल कार्यालय के बाहर डेरा डाल दिया। पुलिस ने वहां बैरीकेड लगा दिए।एलजी कार्यालय में धरने पर बैठे केजरीवाल ने उप राज्यपाल (एलजी) कार्यालय के प्रतीक्षा कक्ष से शाम छह बजे ट्वीट किया कि बैजल को एक पत्र सौंपा गया लेकिन उन्होंने कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। उन्होंने ट्वीट किया, 'उन्हें पत्र सौंपा। एलजी ने कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। कार्रवाई करना एलजी का संवैधानिक कर्तव्य है। कोई विकल्प नहीं बचने पर हमने एलजी से विनम्रता से कहा है कि जब तक वह सभी विषयों पर कार्रवाई नहीं करेंगे, तब तक वे वहां से नहीं जाएंगे।

हालात से उपजी फर्जी धारणा थी टूजी मामला सलमान खुर्शीद

नई दिल्ली, 12 जून (ए)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि टूजी स्पेक्ट्रम मामला असल में घोटाला नहीं बल्कि हालात से उपजी एक ''फर्जी धारणा'' थी जिसमें नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग), राष्ट्रीय मीडिया और विपक्ष शामिल थे। टूजी की राजनीति पर किताब लिखने वाले खुर्शीद ने कल शाम यहां जयपुर साहित्योत्सव में अपने संबोधन में यह बात कही। कांग्रेस नेता की किताब ''स्पेक्ट्रम पॉलिटिक्स' पूर्व दूरसंचार मंत्री ए राजा, द्रमुक की राज्यसभा सदस्य कनिमोई और टूजी स्पेक्ट्रम आवंटन मामलों में भ्रष्टाचार एवं धनशोधन के दूसरे आरोपियों को दिल्ली की एक अदालत द्वारा बरी करने के बाद आयी। उन्होंने कहा, ''टूजी मामला कोई घोटाला नहीं बल्कि हालात (जिसमें कैग , राष्ट्रीय मीडिया और विपक्ष शामिल थे) से उपजी फर्जी धारणा थी जो विशेष सीबीआई अदालत के न्यायाधीश (ओ पी) सैनी के फैसले से साफ साफ स्थापित हो गया।'' उन्होंने कहा, ''पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने नीलामी के खिलाफ पहले आएं पहले पाएं का अनौचित्य खारिज कर दिया था। लेकिन किसी ने भी प्रतिष्ठा धूमिल करने, मुश्किलें खड़ी करने, सरकार को कमतर करने और नये उदीयमान क्षेत्र (सनराइज सेक्टर) को लगभग नष्ट करने के लिए अफसोस नहीं जताया।'' खुर्शीद ने कहा कि वह ''सही परिप्रेक्ष्य'' में मामला रखने और ''नैतिक जिम्मेदारी की झूठी धारणाओं'' का अंत करने के लिए 'स्पेक्ट्रम पॉलिटिक्स'' लिखने पर मजबूर हुए। उन्होंने कहा, ''हर रूप में सच्चाई की जीत हो ताकि लोकतंत्र पर आंच ना आए।

सीबीएसई : पुनर्मूल्यांकन का नियम बदला, वापस नहीं होगी फीस

इलाहाबाद, 12 जून (ए)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानि सीबीएसई ने उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन का नियम बदलकर अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ा दिया है। नई व्यवस्था में उत्तर पुस्तिका का आवेदन करने वाले किसी भी परीक्षार्थी को सीबीएसई फीस नहीं लौटाएगा। इस संबंध में बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक केके चौधरी ने सर्कुलर भी जारी कर दिया है। परीक्षार्थियों को पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रति विषय पांच सौ रुपये की फीस जमा करानी होती है। पहले के नियम में जिस विषय में पुनर्मूल्यांकन के दौरान गलती मिलती थी और अंकों में बदलाव होता था, उन विषयों की जमा हुई फीस सीबीएसई मूल्यांकन में हुई गलती को स्वीकार करते हुए परीक्षार्थी को वापस कर देता रहा है। वहीं, जिन उत्तर पुस्तिकाओं में कोई गलती नहीं मिलती थी, उनमें फीस वापस नहीं होती थी। अब इस नियम में बदलाव करते हुए बोर्ड ने नया आदेश जारी किया है।

चटख धूप व उमस से उत्तर भारत हलकान दिल्ली में कुछ दिन और नहीं बरसेंगे बदरा

नई दिल्ली, 12 जून (ए)। उत्तर भारत में सोमवार को चटख धूप और उमस के चलते लोग परेशान रहे। उमस भरी गर्मी के बीच सोमवार को दिल्ली का तापमान फिर से बढ़ गया। अधिकतम तापमान 41 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दो दिनों की राहत के बाद जम्मू कश्मीर में गर्मी ने फिर अपने तेवर दिखाने लगे हैं। सोमवार को जम्मू का अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दिल्ली में कुछ दिन और बदरा-बारिश नहीं : मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में कुछ दिन बारिश के आसार नहीं है, वहीं उमस परेशान करती रहेगी। स्काईमेट वेदर के अनुसार अगले

कई दिनों तक दिल्ली-एनसीआर का मौसम सूखा ही रहने वाला है। लिहाजा, तापमान और उमस भरी गर्मी दोनों में इजाफा होगा।

उप्र के हमीरपुर में तापमान 45 डिग्री तक पहुंचा : उत्तर प्रदेश में आसमान से बरस रही आग ने फिर झुलसाकर रख दिया। रविवार को कुछ क्षेत्रों में हुई बारिश के बाद मिली राहत सोमवार को उमस और गर्मी में गुम हो गई। हमीरपुर में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इटावा में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तो जालौन व बांदा में 42 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। पंजाब के ज्यादातर जिलों में आगामी पांच दिनों तक हल्की बारिश व धूल भरी आंधी चलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार रुक-रुक कर गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। राज्य में सोमवार को बठिंडा सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा अमृतसर का अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

उत्तराखंड में एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने की संभावना : उत्तराखंड में आने वाले एक सप्ताह में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इससे पहाड़ से लेकर मैदान तक पारा चढ़ने की संभावना है। सोमवार को उत्तराखंड में सबसे गर्म रुद्रप्रयाग रहा, जहां अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

तैरना नहीं आता था फिर भी बेटे को बचाने नर्मदा में कूद गई मां

ओंकारेश्वर, 12 जून (ए)। मां के ममत्व और करुणा की मिसाल एक बार फिर देखने को मिली। दरअसल, मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में कोटितीर्थ घाट पर स्नान करने के दौरान पैर फिसलने से एक युवक गहरे पानी में डूबने लगा जिसे बचाने के लिए उसकी मां ने आव देखा न ताव और पानी में छलांग लगा दी जबकि उसे तैरना नहीं आता था। उन्हें डूबता देखकर वहां मौजूद नाविक और होमगार्ड के जवान ने दोनों को किसी तरह बाहर निकाला। वहीं, ब्रह्मपुरीघाट पर 14 वर्षीय एक किशोर को भी नाविक ने डूबने से बचाया।

बेटे को बचाने नर्मदा में कूद गई मां : सोमवार को झांसी (उप्र) से करीब 50 लोग ओंकारेश्वर व ममलेश्वर ज्योर्तिलिंग के दर्शन करने

पहुंचे थे। सभी कोटितीर्थ घाट पर स्नान कर रहे थे। इसी दौरान यशवंत चौरसिया (20) निवासी नगरानगर पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया। पास ही स्नान कर रही उसकी मां भारती चौरसिया (40) ने बेटे को बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी। तैरना नहीं आने के कारण दोनों डूबने लगे। घाट पर मौजूद नाविक रमेश वर्मा और होमगार्ड के जवान कैलाश बोरकरे नदी में कूद कर दोनों को बचा लिया।

पिता बोले- भगवान बनकर आए नाविक और सैनिक : पिता यशवंत चौरसिया ने कहा कि नाविक वर्मा और सैनिक बोरकरे हमारे लिए तो भगवान बनकर ही आए। उल्लेखनीय है कि कैलाश अभी तक करीब 171 लोगों को डूबने से बचा चुके हैं। चूरिया मोहल्ला रांची (झारखंड) निवासी एक परिवार सोमवार को ओंकारेश्वर पहुंचा। ब्रह्मपुरीघाट पर स्नान के दौरान किशोर शौर्यराज पिता पंकज साव गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। घाट पर मौजूद नाविक जीतू वर्मा ने काफी मशक्कत के बाद किशोर को बचा लिया।

नाराज यात्रियों ने पूर्वा एक्सप्रेस पर किया पथराव, बाल-बाल बचे यात्री

चंदौली, 12 जून (ए)। दानापुर रेल मंडल के वरुणा स्टेशन पर पटना-सिकंदराबाद एक्सप्रेस का इंजन खराब होने से आक्रोशित यात्रियों ने वहां से गुजर रही पूर्वा एक्सप्रेस पर पथराव कर दिया। इससे ट्रेन के कुछ कोच के शीशे टूट गए। हालांकि, पत्थरबाजी में कोई यात्री घायल नहीं हुआ। सोमवार की रात नौ बजे ट्रेन स्थानीय जंक्शन पर पहुंची जहां क्षतिग्रस्त शीशे की मरम्मत संबंधित विभाग के कर्मियों ने किया। इसके बाद ट्रेन आगे के लिए रवाना हुई। सिकंदराबाद-पटना एक्सप्रेस ट्रेन दानापुर मंडल के वरुणा स्टेशन पर पहुंची। वहां अचानक ट्रेन का इंजन खराब हो गया। इस कारण ट्रेन काफी देर तक स्टेशन पर खड़ी रही। इसी बीच ट्रेन के यात्री प्लेटफार्म पर उतर गए। यात्री हंगामा करने लगे। इसी दौरान वहां से हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस ट्रेन गुजर रही थी। ट्रेन को वहां से गुजरते देख पटना एक्सप्रेस के यात्रियों ने पूर्वा एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव कर दिया। इससे ट्रेन के कुछ कोच के शीशे टूट गए।

नीरव मोदी हमारे यहाँ है, उसके प्रत्यर्पण में सहयोग करेंगे: ब्रिटेन

ब्रिटेन, 12 जून (ए)। ब्रिटेन ने भारत में अरबों रुपए के बैंक रिण घोटोले आरोपी हीरा कारोबारी नीरव मोदी के अपने यहां होने की पुष्टि की है। अधिकारियों ने आज यहां यह जानकारी दी। नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ 13,000 करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज की धोखाधड़ी के मामले में मनी लांड्रिंग रोधी कानून के तहत जांच चल रही है। ब्रिटेन के मंत्री बैरोन्स विलियम्स ने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री किरेन रिजीजू के साथ यहां बैठक में नीरव मोदी, शराब कारोबारी विजय माल्या एवं अन्य के प्रत्यर्पण में तेजी लाने में भारत के प्रयास में पूर्ण सहयोग देने को लेकर आश्वस्त किया।

बैठक से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, ब्रिटेन के अधिकारियों ने नीरव मोदी के वहां मौजूद होने की सूचना दी है।'' नीरव फरार है और अबतक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एवं अन्य एजेंसियों की जांच में पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुआ है। करीब एक घंटे चली बैठक के बाद रिजीजू ने संवाददाताओं से कहा, ब्रिटेन के मंत्री बैरोन्स विलियम्स के साथ सार्थक बैठक हुई है। हमने आतंकवाद और चरमपंथ से निपटने के लिये भारत-ब्रिटेन के संयुक्त प्रयास पर चर्चा की। एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय पक्ष ने मानवाधिकार तथा जेलों की स्थिति के मुद्दे पर ब्रिटेन की आशंका दूर करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र हैं और अंतरराष्ट्रीय कानून का पूर्ण रूप से पालन करता है।

नीरव मोदी के खिलाफ ईडी, सीबीआई तथा आयकर विभाग ने अनुरोध पत्र यूके सेंट्रल आथोरिटी' (यूकेसीए) को क्रमशः 19 मार्च, 14 अप्रैल तथा 15 अप्रैल को भेजे थे। यूकेसीए ने अनुरोध पत्रों पर आगे की कार्रवाई के लिये इसे गंभीर धोखाधड़ी कार्यालय को भेजे ईडी नीरव मोदी तथा उसके मामा मेहुल चोकसी के खिलाफ पीएनबी के साथ कथित रूप से 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की जांच कर रहा है।